उम्रदराज़ होती जनसंख्या और रोबोटक्सि के अंतर्संबंध

चर्चा में क्यों?

- बहुत से वशिषज्ञों का मानना है कि उम्रदराज़ होती जनसंख्या आर्थिक विकास के लिये एक बड़ा खतरा बन गई है।
- पश्चिमि में अमीर देशों की युवा और कामकाजी आयु की आबादी कम प्रजनन दर के कारण तेजी से कम हुई है, जबकि चीन और भारत जैसे देश अपनी युवा मानव-संसाधन के दम पर बेहतर आर्थिक विकास कर सकते हैं।
- ऐसे में उम्रदराज़ जनसंख्या वाले देशों कम जीडीपी ग्रोथ होनी चाहिये, लेकिन हाल में प्रकाशति एक रिसर्च पेपर में उसके विपरीत बातें कही गई हैं।

रसिर्च पेपर में क्या?

- हाल ही में 'सेकुलर स्टैगनेशन' (Secular Stagnation) नाम से प्रकाशति अपने पेपर में 'डोरोन एसेमोल्लू' (Daron Acemoglu) और 'पास्कल रस्टि्रोपो' (Pascual Restrepo) ने दखिाया है कि उम्रदराज़ जनसंख्या वाले देशों की जीडीपी में तेज़ी से वृद्धि हुई है।

इस वृद्धि के कारण क्या हैं?

- पश्चिमी देशों ने इन परस्थितियों में तकनीक और प्रौद्योगिकी को तेज़ी से अपनाया है, उदाहरण के लिये इन देशों में रोबोटक्सि का सर्वाधिक विकास हुआ है।
- अतः यह प्रवृत्ति सामने आई है कि जब किसी देश की युवा और कामकाजी आबादी में कमी आती है, तो बेहतर तकनीक को अपनाने से नुकसान की भरपाई की जा सकती है।

रोबोटक्सि क्या है?

- रोबोटक्सि एक ऐसी तकनीक है जिसमे मशीनें मानव को विस्थापित कर उसके अधिकतर कार्य करती हैं। गहरी और खतरनाक खानों मे खुदाई करना, समुद्र की तलहटी मे कार्य करना इत्यादि जैसे कार्यों के लिये रोबोटक्सि वरदान साबित हो सकता है।
- दरअसल, रोबॉट की अभिकल्पना, निर्माण और अभिप्रयोग के विज्ञान और तकनीकों को रोबॉटक्सि कहते हैं। रोबोटक्सि तकनीक के क्षेत्र में काफी तेज़ी से विकास हो रहा है।
- आजकल रोबोट का इस्तेमाल तकरीबन हर क्षेत्र में होने लगा है। एक तरफ रोबोट चाँद पर भेजे जा रहे हैं, तो दूसरी तरफ कंपनियों में भी बडे पैमाने पर इनका इस्तेमाल होने लगा है।

निष्कर्ष

- गौरतलब है कि अमेरिका और पश्चिमी देशों में 'रोबोट्स बनाम रोज़गार' एक व्यापक बहस का मुद्दा है, लेकिन वैश्विक परिप्रेक्ष्य में बात करें तो अर्थव्यवस्था में रोबोट के उपयोग के मामले में भारत अभी बहुत पीछे है।
- हालाँकि, जिस तेजी से रोबोट बढ़ रहे हैं, यदि यह रुझान और पाँच-दस साल तक जारी रहा तो इससे भारत में रोज़गार पर असर पड़ सकता है और रोबोट की वजह से उद्योग-कारोबार में कुछ नौकरियाँ खत्म हो सकती हैं।
- दरअसल, भारत में अधिकांश जनसंख्या युवा है, ऐसे में भारत को रोबोटक्सि को लेकर सावधान रहने की ज़रूरत है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/robotics-and-ageing-population